मईया मटकी फोड़ दी मेरी

री मैया कान्हा ने समझा ले , मटकी फोड़ दी मेरी.....2
मटकी फोड़ दी मेरी , मटकी तोड़ दी मेरी.....2
यशोदा कान्हा ने समझा ले , मटकी फोड़ दी मेरी.....2

1) मैं तो पनिया भरन जब जाऊँ , मेरे पीछे-पीछे आवे.....2
फिर अपनी गुलेल से कान्हा , मटकी पे निशाना लगावे.....2
मटकी पे निशाना लगावे , करता माखन की चोरी
यशोदा कान्हा ने समझा ले , मटकी फोड़ दी मेरी.....2

2) श्याम मुरली मधुर बजाए ,जब गईया चरावे जाए.....2
जमुना के किनारे कन्हैया , राधा संग रास रचावे.....2
राधा संग रास रचावे कान्हा , करता बरजोरी
यशोदा कान्हा ने समझा ले , मटकी फोड़ दी मेरी.....2

3) मेरे गिरधर मोहन प्यारे , बेबी लिखे भजन तुम्हारे.....2
जिया भी भजन सुनाए , और तेरी राह निहारे.....2
और तेरी राह निहारे , दिल मेरा करता जो चोरी
यशोदा कान्हा ने समझा ले , मटकी फोड़ दी मेरी.....2

मटकी फोड़ दी मेरी , मटकी तोड़ दी मेरी.....2
यशोदा कान्हा ने समझा ले , मटकी फोड़ दी मेरी.....2

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/32976/title/Maiya-Matki-Fod-Di-Meri

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |